चयनित संगठन चर के सदंर्भ में कक्षा सातवी के सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिये 5 ई. मॉडल की प्रभावशीलता

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल

एम.एड. (आर.आई. ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ती हेतु प्रस्तुत

लघुशोध रूपरेखा

2013-14

मार्गदर्शक
डॉ. एन.सी.ओझा
(सहप्राध्यापक) शिक्षा विभाग

शोधार्थी
रमा ब्रज याज्ञनिक
एम. एड.(आर. आई. ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंस्थान एवं प्रशिक्षण परिषद),
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

चयनित संगठन चर के सदंर्भ में कक्षा सातवी के सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिये 5 ई. मॉडल की प्रभावशीलता

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल

एम.एड. (आर.आई. ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ती हेतु प्रस्तुत

लघुशोध रूपरेखा

2013-14

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

D-423

मार्गदर्शक
डॉ. एन.सी.ओझा
(सहप्राध्यापक) शिक्षा विभाग

शोधार्थी
रमा ब्रज याज्ञनिक
एम. एड.(आर. आई. ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंस्थान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा–पत्र

मैं **रमा ब्रज याज्ञनिक**, एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ कि **''चयनित संगठन चर के सदंर्भ में कक्षा सातवी के सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिये 5 ई. मॉडल की प्रभावशीलता''** विषय पर लघु–शोध प्रबंध आदरणीय, **डॉ. एन.सी.ओझा**, (**सहप्राध्यापक**) क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल के निर्देशन में पूर्ण किया गया है। इस शोध में लिए गये प्रदत्त एवं सूचनाएं विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गयी है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है। यह लघुशोध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर. आई.ई.) 2013–14 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

Ramq.

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान

दिनांकः 21/05/2014

शोधकर्ता

रमा ब्रज याज्ञनिक
एम.एड.
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.),
श्यामला हिल्स, भोपाल

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **रमा ब्रज याज्ञनिक** जो कि क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत है, ने एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु–शोध प्रबंध कार्य **"चयनित संगठन चर के सदंर्भ में कक्षा सातवी के सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिये 5 ई. मॉडल की प्रभावशीलता"** मेरे निर्देशन में विधिवत पूर्ण किया है। प्रस्तुत लघु–शोध प्रबंध पूर्णतया मौलिक है। जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्णनिष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र 2013–2014 की एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान

दिनांकः 21/05/2014

मार्गदर्शक

डॉ. नीतायी चरण ओझा
सहप्राध्यापक
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार ज्ञापन

''हृदय हो रहा है नतमस्तक, मौन रहू या व्यक्त करूं।

देना है आभार मुझे, किन–किन शब्दों में व्यक्त करूं''।।

प्रस्तुत शोधकार्य में '' **चयनित संगठन चर के सदंर्भ में कक्षा सातवी के सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिये 5 ई. मॉडल की प्रभावशीलता** '' का संपूर्ण श्रेय आदरणीय **डॉ. नीतायी चरण ओझा** (सहप्राध्यापक) मार्गदर्शक क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल को है, जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद उचित, निरन्तर परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा सौहार्द पूर्ण व्यवहार से अनवरत प्रोत्साहन देकर मेरी समस्याओं का निराकरण करके मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते हुये अपना अमूल्य समय और सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार, वात्सल्य पूर्ण सहयोग एवं निर्देशन मुझे आजीवन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य **डॉ. एच.के. सेनापति जी** एवं **डॉ. बी.रमेश बाबू** विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

आदरणीय डॉ. नीतायी चरण ओझा जी, डॉ. रत्नमाला आर्य, श्री संजय कुमार पण्डागले, श्री आनन्द बाल्मीकी, डॉ. के.के. खरे, डॉ. सुनिति खरे एवं समस्त गुरूजनों के प्रति हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय–समय पर सेमिनार में तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित मार्गदर्शन देते हुये इस शोध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग किया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का आभारी हूँ।

मैं उन समस्त विद्यालय के शिक्षकों के प्रति विशेषरूप से आभारी हूँ जहाँ से प्रदत्तों का संकलन किया गया है, जिन्होंने शोध कार्य के लिए अपना अमूल्य समय एवं सहयोग दिया है। मैं सहृदय से आजीवन ऋणी रहूंगी मेरे पति **अभिषेक कुमार सेन** का जिनका वात्सल्य, प्रेरणा एवं समर्पण मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा है। मेरे सहपाठियों का जिन्होंने आत्मीय व्यवहार व अविस्मरणीय सहयोग प्रदान कर मेरे आत्मबल को प्रतिपल प्रोत्साहित किया जिनकी प्रेरणा मेरे मनःचक्षु में पुष्प की तरह पल्लवित पुष्पित होती है।

अन्त में आभारी हूँ अपने समस्त सहपाठियों का जिन्होंने शोध कार्य के दौरान आई कठिनाइयों का समाधान करने में मेरी मदद की। यदि मैं यह कहूँ कि इनके सहयोग के बिना मेरा शोधकार्य अपूर्ण होता तो अतिश्योक्ति न होगी।

मैं शोधलेखन के समयाविधि के प्रत्येक क्षण जो मुझे जीवन पर्यन्त अविस्मरणीय रहेगें, मैं जीवन पर्यन्त चिर ऋणी रहूंगी।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
दिनांकः 21/05/2014

Rama.
शोधकर्ता
रमा ब्रज याज्ञनिक
एम.एड.
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.),
श्यामला हिल्स, भोपाल

अनुक्रमणिका

घोषणा–पत्र

प्रमाण–पत्र

आभार ज्ञापन

विषय–वस्तु **पृष्ठ क्रमांक**

अध्याय प्रथम – शोध परिचय 1–17

1.1 प्रस्तावना
1.2 5 ई क्या हैं ?
1.3 रचनावादी
1.4 वियाजे का रचनावाद
1.5 स्कूलों में सामाजिक विज्ञान की स्थिति
1.6 वायगॉट्स्की का रचनावाद
1.7 रचनावादी कक्षा–कक्ष
1.8 रचनावाद क्यों महत्वपूर्ण है ?
1.9 अध्ययन की आवश्यकता
1.10 परिभाषिक शब्दावली
1.11 पारम्परिक विधि
1.12 समस्या कथन

अध्याय द्वितीय – संबंधित साहित्य का पुनरावलोक 18–23

2.1 प्रस्तावना
2.2 संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ
2.3 समीक्षा साहित्य
2.4 संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन का निष्कर्ष

अध्याय तृतीय – शोध विधि तथा प्रक्रिया 24–30

3.1 प्रस्तावना
3.2 अनुसंधान विधि
3.3 शोध प्रारूप
3.4 शोध में प्रयुक्त चर
3.5 प्रसतुत शोध में जनसंख्या
3.6 प्रतिदर्श
3.7 इन्टेलीजेन्स टेस्ट
3.8 प्रतिदर्श का वर्गीकरण
3.9 उपकरण एवं तकनीक
3.10 उपलब्धि परीक्षण
3.11 डाटा संकलन

अध्याय चतुर्थ – प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 31–36

4.1 प्रस्तावना
4.2 रचनावाद उपागम का प्रभाव
4.3 विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान उपलब्धि पर 5E का प्रभाव
4.4 उद्देश्य
4.4.1 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय पंचम – सार निष्कर्ष तथा सुझाव 37–40

5.1 प्रस्तावना
5.2 शोध अभिकल्प
5.3 प्रयुक्त सांख्यिकी
5.4 अध्ययन के उद्देश्य
5.5 प्रतिदर्श
5.6 शैक्षिक निहितार्थ
5.7 भावी शोध हेतु सुझाव

5.8 शोध का परिसीमांकन
5.9 शोध-अध्ययन का निष्कर्ष

संदर्भ ग्रंथ 41-42

परिशिष्ट सूची 43-89

तालिका सूची 90